स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने हमें देश के लिए जीना सिखाया ।

महात्मा गांधी ने ग़ुलामी की ज़ंजीरों को तोड़ के मां भारती को आज़ाद किया।

आओ हम संकल्प करें –

गंदगी दूर करना - यही भारत माता की बहुत बड़ी सेवा है ।

मैं शपथ लेता/लेती हूँ कि:

- स्वयं स्वच्छता के लिए हर वर्ष 100 घंटे यानि कि हर सप्ताह दो घंटे श्रम-दान करके स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ करूंगा/करूंगी ।
- न गंदगी करूंगा/करूंगी, न गंदगी करने दूंगा/दूँगी ।
- मैं सबसे पहले स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मोहल्ले से, मेरे कार्यस्थल से, स्वच्छता की शुरूआत करूंगा/करूंगी ।
- हम सब जानते हैं कि दुनिया के वही देश स्वच्छ हैं, जिनके नागरिक गंदगी नहीं करते हैं ।
- हम गांव-गांव, गली-गली स्वच्छता अभियान का प्रचार करते रहेंगे ।
- मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ/रही हूँ, यह शपथ अन्य 100 व्यक्तियों को भी दिलवाऊँगा/दिलवाऊँगी, जो हर साल 100 घंटे स्वच्छता के काम में देंगे ।
- गांधी जी के सपनों का भारत सिर्फ आज़ाद भारत नहीं, स्वच्छ साफ़-सुथरा भारत है । इसके लिए मैं प्रतिबद्ध रहूँगा/रहूँगी ।

*****